

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

पत्रांक ३७ / प्र०३०—भवन / जोग—१ / शमन / २०१२—१३ दिनांक ४५/०९/२०१३
विनियमितीकरण

यह दिनियगतीकरण निर्माण की उन्नति ०३५० नगर नियोजन तथा लिकारा अधिनियम १९७३ की धारा ३२ के अन्तर्गत दी जा रही है, किन्तु अर्थ यह न समझना चाहिये कि इस भूमि के संबंध में जिस पर नरिंग होग का विनियमितीकरण किया जा रहा है, इसमें किसी प्रकार या विसी स्थानीय नियम या इसका स्थानीय अधिकारी या व्यक्ति अथवा एक के गालिकाना जनिकारों पर किसी का कोई असर पहुँचा। अर्थात् यह अनुगति किसी के भौतिकतय या स्थानित के अधिकारों के पिरुद्ध कोई असर न रखेगी।

डा० सुजीत कुमार सिंह एवं डा० आशा सिंह द्वारा ज्ञाट नं०-३ एवं ४ भूखण्ड संख्या-२१सी, म्योर रोड, नसीबपुर बखियारा, इलाहाबाद के जोन संख्या (१) के अन्तर्गत दासिल नियम होम के विनियमितीकरण मनवित्र उपायक गहोदय के स्वीकृति/निर्गमन आदेश दिनांक ३१.०९.२०१३ के अनुपालन ने निम्नलिखित प्रतिवन्धों के अंदर दिनियमित किया जा रहा है :-

१. ०३५० नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम १९७३ की धारा १५५ (१) के प्राविधानों के अनुरूप भवन नियमण एवं विकास उपयित्र २००८ ने उपविधि संख्या-२.१.६ एवं ३.१.८ में निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर मूर्खा भ्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक है।
२. यह स्वीकृति अनन्त्रिम (Provisional) स्वीकृति के रूप में होगी। निर्माप पूर्ण होने के उपरान्त, सभी आवश्यक Mandatory Clearances/N.O.C को शर्ती पूर्ण करने के प्रत्यात् निर्गत किये जाने वाले 'पूरीता प्रगाण-पत्र' प्राप्त करना उनिवार्य होगा। एवं तत्सन्देश रागता औपचारिकताये पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा।
३. स्थल पर १X३ फिट ला एक बोर्ड लगाकर स्वीकृति रामबन्धो पिवरण अंकित करना होगा।
४. स्थल पर ०४ अद्यप चुल लगाना होगा तथा दृश्यों को हरा-भरा रखने का दायित्व आवेदक होगा।
५. रोडवाटर हार्डिंग प्रणाली गानक के अनुसूर विकसित होने के सम्बन्ध में भू-गर्भ जल बोर्ड खण्ड-टांडिक रियाई विभाग का प्रमाण-पत्र प्राप्त करना उनिवार्य होगा।
६. मुख्य अग्नि शमन अधिकारी इलाहाबाद के उन्नापत्रि पत्र संख्या ए४पी/सीएसओ/आई-१/२००९ दिनांक १२ अक्टूबर, २००९ रात्या नवीनीकरण दिनांक २८.०७.२०१० ५४ ०४ अक्टूबर, २०११ में अंकित प्रतिवन्धों का अक्षरशः अनुपालन करना होगा तथा पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पूर्व अन्तिम अग्नापत्र प्राप्त करना उनिवार्य होगा।
७. नगर आयुक्त, नगर नियग इलाहाबाद एवं अनापत्रि पत्र संख्या-२६६/STCE/१३ दिनांक १८.०९.२०१३ में अंकित प्रतिवन्धों का अधारशः पालन करना उनिवार्य होगा। (छापाप्रति संलग्न)
८. स्थल पर संकामक रोगों का इलाज नहीं किया जानेगा, इस देतु रिये नये शपथ पत्र दिनांक २०.०९.२०१३ का उक्ताशः अनुपालन वाध्यतारी होगा।
९. मनवित्र में दृश्यों उत्तरानीय भाग को रसीकृत नानवित्र प्राप्त होने के एक माह के अन्दर कुशल इंजीनियर की देख-रेख में ध्वस्त करना होगा तथा गह सुनीरियता किया जाय कि अशामनीय भाग को गिराय जाने से रद्दवरल सेपटी प्रगायित न हो और न हो जान-धन की हानि न होने पाये। साथ ही बेसमेन्ट के पार्टीशन इत्यादि हटाकर आवश्यक गर्भिन स्थल विकसित करना होगा।

Continued



10. विकलांग वर्सिजो हेतु रजिस्ट्रेशन कर प्राधिकरण उपलब्ध होना यूनिवेंसिट फिल्म जाय।
 11. स्थल पर सोलर बाटर हीटिंग संयंत्र की स्थापना अनिवार्य होनी तथा पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व संदर्भ स्थापित कर प्राधिकरण को स्थ कोन्ट्रोल रूचित किया जाय।
 12. स्थान का अधिग्राह /उपयोग विनियोगितीकरण मानवित्र के अनुसार ही करना होगा।
 13. नामनीट न्यायालय में कोई वाद होने उथवा उत्पन्न होने ली रिपोर्ट में ब्रदल्ट खोकृति नानीय न्यायालय के निशंख के अधीन होगी, स्थास्ति सम्बन्धी फ़िल्मी औ लिवाद पर मानवित्र स्वतः दिशेत्र रागझा जायेगा।
 14. विशिष्ट समय पर जारी शासनादेश य नियमों का पालन करना होना गथा प्राधिकरण यदि कोई शुल्क आरोपित करता है तो उसे पक्ष को जना करना चाहेगा।
 15. यदि आधिकार द्वारा कोई नक्तमूर्छ रूपना छिपायी गयी है उथवा गलत सूचना दी गयी है तो ३०५० नगर नियोजन एवं विकास अधिग्राम १९७३ की धारा 15 (9) के अन्तर्गत मानवित्र नियत करने पर्याय होना।
 16. मठान निर्माण से यदि नाली के लड़क की पटरी अथवा सहक या नाली के गिरी गग (जो नवजन के आधा भाग, पृष्ठ गग अथवा उत्तर के अकार के ऊपर एक गई हो) को हानि पहुँचे तो गृहस्थानी तैयार हो जाने पर 15 दिन के भीतर अथवा यदि विकास प्राधिकरण ने एक लियित सुनन द्वारा और शीर्ष कहा तो वह ही उसे अपने खर्च से अप्रमत्त करकर एट्टेप ३०५० जिससे विकास प्राधिकरण को सन्तोष हो जाय, में कर देगा।
 17. यह निर्माण के समय इसका भी प्यास रखना होगा कि भरतीय अधिनियम १९५५ (हिन्दी, इले पेट्रोली रूपन १९६५) नियम ३२ का उल्लंघन किसी भी दश में न होना चाहिए। यदि विकास प्राधिकरण की जानकारी में ऐसे मानले पर्याय गये तो वह उसे निर्माण को रोक अथवा रद्द कर देगा।
 18. ओडिक लो नियमानुसार विकास प्राधिकरण की गवर्नर ली नीच तक तथा छट तक वा जाने एवं उसके पैरी हो जाने ली जूचना भलन आवात होने से पूर्व देना होगा तथा उर आलमी या नाम भी देना होगा जिससे नियमण में मकान निर्मित हुआ है।
 19. यदि निर्माण गें गार्जर स्थान का उल्लंघन होता पाया गया तो निर्माणकार्त फो दी गई स्वीकृति रद राज्ञी जायेगी और लिया गया निर्माण अनियूक्त घोषित कर उबल अधिनियम की धारा 27 (1) के उचार्गत कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।
- संलग्नक : उपर्युक्तानुसार।

०३।०९।१५
 (गुडाकेस इनी)
 रामेश्वर लचिव / ५०३०-भत्तन
 इलाहाबाद विकास प्राधिकरण,
 इलाहाबाद

